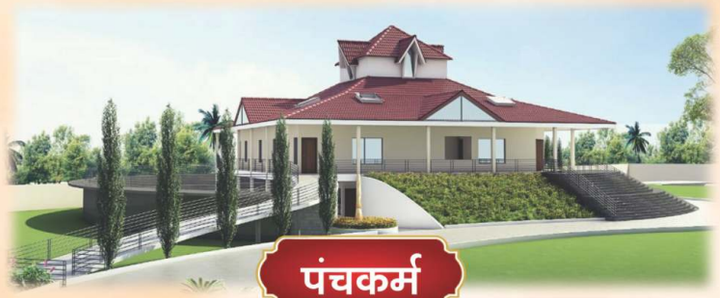

पंचकर्म

1. आयुर्वेद शास्त्रोक्त क्षार कर्म की विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा सफल चिकित्सा।
2. आयुर्वेद की पंचकर्म विद्या द्वारा जीर्ण रोगों की शोधन के द्वारा चिकित्सा।
3. पंचकर्म के अन्तर्गत उपलब्ध कर्म-
   - वमन • विरेचन • वस्ति • नस्य • रक्तमोक्षण
4. अन्य विविध चिकित्सा उपचार की सुविधाएँ भी उपलब्ध हैं-
   - अभ्यंग • स्वेदन • कटि वस्ति • शिरोवस्ति
   - जानु वस्ति • शिरोधारा • पत्र पिण्ड स्वेद • नेत्र तर्पण
   - षष्टिकशालिपिण्डस्वेद • नाड़ी स्वेद • धूमपान

आयुर्वेद कॉलेज

बी.ए.एम.एस. (बैचलर ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन एण्ड सर्जरी) आयुर्वेद का स्नातक डिग्री पाठ्यक्रम है। नीट (NEET) के द्वारा इस पाठ्यक्रम में प्रवेश होता है। हमारे विश्वविद्यालय की सभी सीटें प्रथम कॉउंसलिंग में ही भर जाती हैं।

श्री गोरक्षनाथ मन्दिर परिसर मे 2010 ई. से महन्त दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय आरोग्यता के क्षेत्र में अपनी सेवा दे रहा है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर परिसर में संचालित आयुर्वेद कॉलेज में अध्ययनरत आयुर्वेद स्नातकों के साथ-साथ आयुर्वेद के योग्यतम चिकित्सकों-शिक्षकों की देख-रेख में महन्त दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय संचालित है। दोनों आयुर्वेद चिकित्सालय में निम्न महत्त्वपूर्ण एवं उल्लेखनीय सुविधाएँ उपलब्ध हैं-

1. अनुभवी चिकित्सकों द्वारा आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति से रोगों की चिकित्सा।
2. चिकित्सालय में विशुद्ध आयुर्वेदिक औषधि की उपलब्धता।
5. शास्त्र सम्मत दिनचर्या, ऋतुचर्या, प्रकृति, आहार-विहार एवं स्वास्थ्य सम्बन्धी विशेष परामर्श।

MAHAYOGI GORAKHNATH UNIVERSITY GORAKHPUR

COURSES OFFERED

Faculty	Programs	Durations	Eligibility
Nursing	ANM	2 years	12th (Arts & Science)
	GNM	3 years	12th (Science & English)
	B.Sc. Nursing	4 years	12th (PCB)
	Post Basic B.Sc. Nursing	2 years	GNM
	M.Sc. Nursing (All specialities)	2 years	B.Sc. Nursing
Paramedical Courses	Diploma in Dialysis Technician	2 years	12th (Science)
	Diploma in Optometry	2 years	12th (Science)
	Diploma in Emergency & Trauma Care Technician	2 years	12th (Science)
	Diploma in Anaesthesia & Critical Care Technician	2 years	12th (Science)
	Diploma in Orthopaedic & Plaster Technician	2 years	12th (Science)
	Diploma in Lab Technician	2 years	12th (Science)
Agriculture	B.Sc. (Agriculture)	4 years	12th (Maths/Bio/Ag.)
Allied Health Science	B.Sc. (H) Biotechnology	3 years	12th (PCB/PCM)
	B.Sc. (H) Biochemistry	3 years	12th (PCB/PCM)
	B.Sc. (H) Microbiology	3 years	12th (PCB/PCM)
	M.Sc. Biotechnology	2 years	See Prospectus
	M.Sc. Medical Biochemistry	3 years	
	M.Sc. Medical Microbiology	3 years	
	M.Sc. Environmental Science	2 years	
Pharmacy (Ayurveda)	B.Pharm.	4 years	12th (PCB/PCM)
	D.Pharm.	2 years	12th (PCB/PCM)
Medical Faculty/ Health Science	B.A.M.S.	4½ years + 1 year Internship	12th (PCB) NEET
	M.B.B.S.	4 years + 1 year Internship	12th (PCB) NEET (Upcoming Course)

Please Check University Website for Information

Website : www.mgug.ac.in • E-mail : mgunivgkp@gmail.com • Helpline : 9794340953, 9198278417

Arogya Dham, Balapar Road, Sonbarsa, Gorakhpur-273 007

आज़ादी का अमृत महोत्सव

सातवाँ आयुर्वेद पर्व एवं धन्वंतरि जयन्ती साप्ताहिक समारोह

17 से 22 अक्टूबर, 2022

आमंत्रण

सेवा में,
श्रीयुत्_____

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

गुरु गोरक्षनाथ इन्स्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज)

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर-273 007 (उ.प्र.)

E-mail : mgunivgkp@gmail.com Website : www.mgug.ac.in

सातवाँ आयुर्वेद पर्व एवं धन्वंतरि जयन्ती साप्ताहिक समारोह

उद्घाटन समारोह

सोमवार, 17 अक्टूबर, 2022 • पूर्वाह्न 10.00 बजे से

सानिध्य : **प्रो. उदय प्रताप सिंह**
प्रतिकुलाधिपति, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर
अध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

अध्यक्ष : **मेजर जनरल ए.के. वाजपेयी (से.नि.)**
कुलपति, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर
आरोग्य धाम, बालापार, गोरखपुर

मुख्य अतिथि : **प्रो. ए.के. सिंह**
कुलपति, महायोगी गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय
गोरखपुर (उ.प्र.)

विशिष्ट अतिथि : **प्रो. डॉ. एस.एस. बेदार**
प्राचार्य एवं अधीक्षक
ललित हरि राजकीय स्नातकोत्तर आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, पीलीभीत, उ.प्र.

धन्वंतरि जयन्ती (आयुर्वेद दिवस) एवं समापन समारोह

शनिवार, 22 अक्टूबर, 2022 • पूर्वाह्न 10.00 बजे से

सानिध्य : **प्रो. उदय प्रताप सिंह**
प्रतिकुलाधिपति, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर
अध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

अध्यक्ष : **मेजर जनरल ए.के. वाजपेयी (से.नि.)**
कुलपति, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर
आरोग्य धाम, बालापार, गोरखपुर

मुख्य अतिथि : **प्रो. डॉ. के. रामचन्द्र रेड्डी**
विभागाध्यक्ष, रस शास्त्र विभाग, बी.एच.यू. वाराणसी

वृहद स्वास्थ्य मेला

प्रातः 10.00 बजे से अपराह्न 1.00 बजे तक

व्याख्यान कार्यक्रम

17 अक्टूबर 2022
दोपहर 12 बजे से 1 बजे

विषय : **महर्षि पुनर्वसु आत्रेय**
वक्ता : **डॉ. एस.एस. बेदार**
प्राचार्य एवं अधीक्षक, ललित हरि राजकीय स्नातकोत्तर आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, पीलीभीत, उ.प्र.

18 अक्टूबर 2022
पूर्वाह्न 10 बजे से 11 बजे

विषय : **महर्षि चरक**
वक्ता : **डॉ. वी.के. द्विवेदी (सेवानिवृत)**
पूर्व विभागाध्यक्ष, संहिता सिद्धांत विभाग, बी.एच.यू. वाराणसी, उ.प्र.

19 अक्टूबर 2022
पूर्वाह्न 10 बजे से 11 बजे

विषय : **महर्षि वागभट्ट : स्वस्थ जीवन शैली एवं आरोग्य**
वक्ता : **प्रो. एम.एल.बी. भट्ट**
पूर्व कुलपति, किंग जार्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ
जागरूकता अभियान : **आयुर्वेद औषधीय वनस्पति - परिचय एवं वितरण**
स्थान : प्राथमिक विद्यालय, बैजनाथपुर, बालापार गाँव

20 अक्टूबर 2022
पूर्वाह्न 10 बजे से 11 बजे

विषय : **महर्षि सुश्रुत**
वक्ता : **(प्रो.) डॉ. एस.जे. गुप्ता**
प्रोफेसर, विभागाध्यक्ष शल्य विभाग, बी.एच.यू., वाराणसी, उ.प्र.

21 अक्टूबर 2022
पूर्वाह्न 10 बजे से 11 बजे

विषय : **महर्षि कश्यप**
वक्ता : **(प्रो.) डॉ. डी.एन. मिश्रा (सेवानिवृत)**
पूर्व विभागाध्यक्ष, कौमार्यभृत्य विभाग
राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, लखनऊ, उ.प्र.

1. महाभारत, विष्णुपुराण, भागवत एवं वायुपुराण आदि ग्रन्थों में लिखे वृत्तांत से विदित होता है कि अमृत प्राप्ति के लिये देवता और असुरों के द्वारा समुद्र मन्थन करने पर भगवान धन्वंतरि का आविर्भाव हुआ।
2. भगवान धन्वंतरि, भगवान विष्णु के अवतार हैं।
3. प्राकट्य के समय भगवान धन्वंतरि चारों हाथों में अमृत कलश, औषध, शंख एवं चक्र धारण किये हुए अवतरित हुए।
4. भगवान धन्वंतरि ने अमृत तुल्य औषधियों की खोज की तथा आयुर्वेद का अष्टांग विभाजन भी किया।

धन्वंतरि स्तोत्रम्

ऊँ शंखं चक्रं जलौकां दधदमृतघटं चारुदोर्भिश्चतुर्भिः।
सूक्ष्मस्वच्छातिहृद्यांशुक परिविलसन्मौलिमंभोजनेत्रम्म॥
कालाम्भोदोज्ज्वलांगं कटितटविलसच्चारूपीतांबराढ्यम्।
वन्दे धन्वंतरिं तं निखिलगदवनप्रौढदावाग्निलीलम्॥